भाषा विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम0ए0 द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 15 मई 2014 कोर्स कोड –एम0ए0एसएल -202

प्रोग्रामकोड --- एम0ए0 12 अधिकतम अंक -40

कोर्स शीर्षक – गद्य एवं पद्य काव्य

ग्रीष्मकालीन सत्र 2013-14

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1. महाकवि कालिदास की रचनाओं का परिचय दीजिए।
2. पूर्व मेघ का सारांश संक्षेप में लिखिए।
3. निम्नलिखित श्लोक ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

   धूमज्योति सलिलमरूतां सन्निपातःक्व मेघः।

   सन्देशार्थाः क्व पटुकरणै प्राणिभिः प्रापणीया।।

   इत्यौत्सुक्यादपरिगणयन् गुह्यकस्तं ययाचे।

   कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु।।
4. निम्नलिखित सूक्ति की व्याख्या कीजिए-

   'रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय'।
5. आचार्य दण्डी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
6. शिवाजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
7. कथा व आख्यायिका में क्या भेद है।
8. सुबन्धु का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

खण्ड ख

1. कालिदास की काव्यकला का वर्णन कीजिए।
2. पं0 अम्बिकादत्तव्यास की गद्यशैली की विशेषताएं बताइए।
3. संस्कृत गद्यसाहित्य के प्रमुख गद्यकारो का परिचय दीजिए।
4. शिवराजविजय एक ऐतिहासिक महाकाव्य है, सिद्ध कीजिए।